1. MAJOR CULTURAL REGION OF THE WORLD.

(6·17)

किसी भी समाज की अपनी भाषा, पहचान, गुण, धर्म और राष्ट्रीयता होती है जिसे हम दूसरे शब्दों में उस समाज की संस्कृति कहते है। उदाहरणार्थ भारतीय समाज की संस्कृति। सांस्कृतिक प्रदेश से तात्पर्य उस विस्तृत भू-भाग से है जिसके निवासियों के महत्वपूर्ण गुणों में मौलिक एकता, संकलन विन्यास एकीकरण समान रूप से पाया जाता है और इन विशेषताओं के कारण वे दूसरे सांस्कृतिक प्रदेश के निवासी से भिन्न होते है।

विश्व के प्रमुख सांस्कृतिक प्रदेश :-

उपरोक्त तथ्य के आधार पर संसार में निम्नलिखित 6 प्रमुख सांस्कृतिक प्रदेश मिलते है -

1. पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रदेश (Western cultural region)
2. इस्लामी सांस्कृतिक प्रदेश (Islamic cultural region).
3. भारतीय सांस्कृतिक प्रदेश (Indian cultural region)
4. पूर्वी एशियन सांस्कृतिक प्रदेश (East Asian cultural region)
5. दक्षिण पूर्वी एशियन सांस्कृतिक प्रदेश (South-east Asian cultural region)
6. मध्य अफ्रीकी सांस्कृतिक प्रदेश (Mid-African cultural region).

1

पश्चिमी सभ्यता का प्रसार पिछली चार शताब्दियों में यूरोपवासियों के प्रवास, अथवा साम्राज्य स्थापना अथवा सांस्कृतिक विसरण के कारण संसार के विभिन्न देशों में हुआ। इस कार्य में अंग्रेज, स्पेनिस, पुर्तगाली, जर्मन, डच और रूसी प्रमुख रहे। इस तरह से पाश्चात्य सभ्यता यूरोप से प्रारंभ होकर उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, और एशिया में फैला। इसके अतिरिक्त पश्चिमी सभ्यता यूरोप की तकनीक से निर्मित वस्तुएं का प्रभाव एवं विस्तार अर्थात फैला तथा इंगलैंड की औद्योगिक क्रांति ने सारे संसार के आर्थिक जीवन को प्रभावित किया और अंततः संस्कृतियों को भी प्रभावित किया है।

पाश्चात्य सांस्कृति प्रसार मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों से हुआ -

[A] भूमध्यसागर के तटीय देशों से प्रसार :-

16वीं शताब्दी तक भूमध्यसागर के तटवर्ती प्रदेश सांस्कृतिक प्रसार के केंद्र थे। वेनिस एवं जेनेवा के व्यापारी भूमध्यसागरीय तटीय समस्त देशों से व्यापारिक संबंध स्थापित कर चुके थे। स्पेन वासियों ने मध्य एवं दक्षिण अमेरिका के देशों में पहुंचकर वहाँ के निवासियों में संस्थाओं

[illegible] सांस्कृतिक प्रदेशों के विभाजन में सांस्कृतिक तत्व, जिन्हे विभाजन का आधार माना गया है, प्रभाव क्षेत्र कहाँ तक है, उसे मोटे तौर पर सीमा रेखा द्वारा बांध दिया जाता है किंतु वास्तविक [illegible] नहीं [illegible] [illegible]

रीति-रिवाजों आदि को प्रभावित किया। उन लोगों ने वहां कैथोलिक चर्च की स्थापना कर धर्म परिवर्तन द्वारा, स्कूल की स्थापना कर शिक्षा द्वारा, वैवाहिक संबंध द्वारा समस्त indigeneous culture को पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित किया।

[B] पश्चिमी यूरोप के देशों से प्रसार :- 17वीं सदी में अंग्रेज, फ्रांसीसी एवं डचों ने उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, पूर्वी एशिया में साम्राज्य अथवा उपनिवेश स्थापित कर वहां पाश्चात्य संस्कृति एवं अपनी अन्य विशेषता जनतंत्र, शासन व्यवस्था, व्यापार, पूंजीवाद आदि का प्रसार किया। U.S.A. में कई प्रमुख यूरोपीय संस्कृति के प्रसार ने एक नई संस्कृति को जन्म दिया। कनाडा में अंग्रेज एवं फ्रांसीसी संस्कृति का प्रसार हुआ। न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिणी अफ्रीका में इंगलैंडवासियों ने अंग्रेजी संस्कृति का प्रसार किया।

[C] महाद्वीपीय यूरोप के पूर्वी देशों से सांस्कृतिक प्रसार :-
सोवियत रूस का पूर्व की ओर विस्तार के साथ 17वीं - 18वीं सदी के मध्य पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रसार हुआ। इससे मध्य एशिया एवं साइबेरिया में मध्य एशिया के तुर्क, कज्जाक, खिरगीज आदि संस्कृतियां पूर्वी यूरोप की संस्कृति से प्रभावित होकर परिवर्तित हुई।

2. —

इस्लाम का विकास ईसा की 7वीं शताब्दी में अरबवासियों के लिए हुआ था जिसमें अनेक यहूदी और सेमेटिक सांस्कृतिक गुण और मान्यताओं को स्वीकार कर तथा उनमें कई परिवर्तन कर नई संस्कृति का विकास किया। शीघ्र ही इस्लाम ने अपना प्रसार सेना की सहायता से पश्चिम में मोरक्को एवं स्पेन तक, उत्तर पूर्व में मध्य एशिया ~~तक एवं~~ एवं पश्चिमी चीन तक तथा दक्षिण पूर्व में भारत तक कर लिया। 10वीं - 13वीं शताब्दि के मध्य जहां-जहां इस्लामी सेना गई उन्होंने इस्लामी संस्कृति का प्रसार किया। पूर्वी एशिया में इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों तक इसका प्रसार हुआ मध्यकाल में यूरोपीय संस्कृति का प्रसार ने इस्लामिक प्रसार पर अंकुश लगाया। वर्तमान में इस संस्कृति का प्रसार उत्तरी अफ्रीका (मोरक्को, अल्जीरिया, सूडान, लिबिया, मिश्र, आदि) पश्चिमी एशिया (टर्की, अरब, जोर्डन, ईराक, ईरान, पाकिस्तान आदि) में ~~[illegible]~~ मुख्य रूप से मिलती है।

3. —

उत्तर में हिमालय एवं दक्षिण में समुद्र के कारण भारतीय उपमहाद्वीप एक प्रमुख भौगोलिक इकाई माना जाता है। समय समय पर मध्य एशिया से आने वाली जातियों ने भारत में साम्राज्य स्थापित किया किंतु जैसे ही उनकी शक्ति क्षीण हुई वे इस प्राचीन संस्कृति में आत्मसात हो गये; हूण, मंगोल, शक, पार्थियन आदि ऐसी ही जातियां हैं। शासकों द्वारा प्रोत्साहित इस्लाम संस्कृति का प्रसार भी धर्म एवं प्रजा पर आधारित यहां की संस्कृति को ज्यादा प्रभावित नहीं कर सका।

भारतीय संस्कृति का प्रसार अन्य देशों में इसके आध्यात्मिक पद्धति, दार्शनिक सिद्धांत एवं धर्म में आस्था के कारण अधिक हुआ है। बौद्ध धर्म के प्रसार से भारतीय सांस्कृतिक विशेषता व गुण मध्य एशिया, चीन, तिब्बत, कोरिया, जापान, एवं श्रीलंका में पहुंची जहाँ भारतीय दार्शनिक एवं धर्म प्रचारक इस देश की धार्मिक परंपरा को ले गये। 18वीं एवं 19वीं सदी में अनेक भारतीय श्रमिक के रूप मारीशस अफ्रीका एवं दक्षिणी अमेरीका के उत्तरी भाग (गुयाना एवं सूरीनाम) में गये और भारतीय संस्कृति का प्रसार किया जो आज भी मंदिरों एवं धार्मिक ग्रंथ के माध्यम से विद्यमान है।

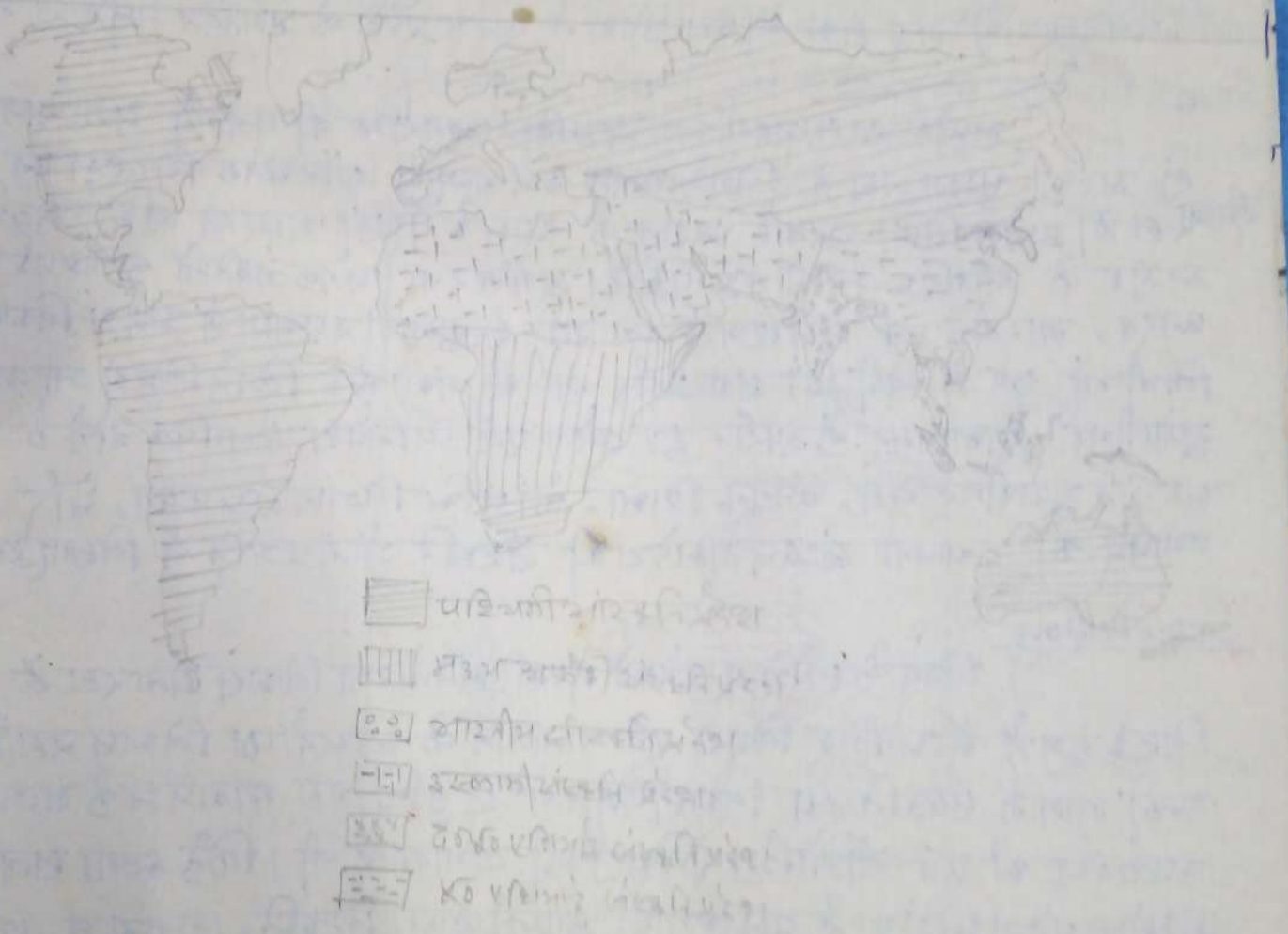

4. पूर्वी एशिया मुख्यतः चीन की सभ्यता और उसके विभिन्न स्वरूपों तथा कोरिया एवं जापान की सभ्यता संस्कृति का क्षेत्र है। चीन ऐतिहासिक काल से ही लगभग ~~सभ्यता~~ बाहरी सभ्यता के प्रभाव से अछूता रहा है। चीन की परंपराऐं एवं सांस्कृतिक गुण धर्म की अपेक्षा मानव संबंधों को अधिक महत्व देते हैं। धर्म के स्थान पर चीन में परिवार, समाज, और राज्य को प्रमुखता मिलती है।

जापान एवं कोरिया की संस्कृति पर भी चीन की संस्कृति का प्रभाव अधिक है। अनेक जापानी शब्द, लेखन शैली तथा अन्य गुण चीनी परम्परा से ही आये हैं। जापानी तकनीकी विकास ने अब दक्षिणी पूर्वी एशिया ~~और~~ पश्चिमी एशिया को अधिक प्रभावित किया है।

5. दक्षिणी पूर्वी एशियाई सांस्कृतिक प्रदेश जो भारत के पूर्व एवं चीन के दक्षिण स्थित है, कोई स्वयं सांस्कृतिक विकास का प्रदेश नहीं है बल्कि यहाँ अनेक संस्कृतियाँ आकर मिल गई हैं। यहाँ के निवासी दक्षिण मंगोल जाति के होते हुए भी धार्मिक विश्वास एवं कला के क्षेत्र में भारतीय प्रभाव से रंगे हैं। चीन केवल वियतनाम को छोड़कर अन्य किसी द० पू० देश की संस्कृति को प्रभावित नहीं किया। यद्यपि हिन्दू एवं बौद्ध धर्म का स्थान मलेशिया एवं इंडोनेशिया में इस्लाम ने ले लिया है फिर भी वह भारतीय प्रभाव से अधिक नहीं बढ़ सका है। इस प्रदेश ने अन्य प्रदेश को प्रभावित नहीं किया है

6. अफ्रीका का मध्यवर्ती भाग प्राकृतिक अवरोध की वजह से अन्य भाग से अलग-थलग रहा है जिसके कारण इस भाग में सांस्कृतिक पिछड़ापन रहा है। अनेक मिस्री-चरवाहे सूडान के घास के मैदानी भाग से होकर मध्य अफ्रीका के आंतरिक भागों तक पहुँचे। पूर्वी तट पर अनेक जातियों का सम्पर्क अरब, भारतीय एवं मलेशियाई व्यापारी से हुआ। इस भाग में धर्म का विकास किसी भी रूप में नहीं हो सका और न ही यहां कोई लिपि विकसित हो सकी। यूरोपीयनों के आगमन के उपरांत हुए खोज एवं उपनिवेश स्थापित होने के पश्चात यूरोपीयन धर्म, कानून, शिक्षा, औषधि विज्ञान, उत्पादन, और व्यापार की स्थापना से इस महादेश की संस्कृति में तीव्रगति से विस्तार हुआ।

Conclusion

विश्व के विभिन्न प्रदेशों में संस्कृतियों का विकास होता रहा है जिसके मूल में औद्योगिक विकास एवं यातायात के साधनों का विकास रहा है। उन्हीं भाग में संस्कृति का विकास तीव्रता से हुई है जहाँ यातायात के साधन उपलब्ध थे एवं औद्योगिक विकास की संभावनाएं भी। किंतु इतना सत्य है ~~विशेष प्रदेश~~ प्रदेश विशेष के मूल निवासी अपनी भाषा, संस्कृति, सभ्यता व धर्म को बनाए रखने का सदा प्रयत्न करते रहे हैं।